हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 13 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 36 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .0 डिग्री

12 बरसात के सीजन में संक्रमण का खतरा इस...

12 श्मशान घाट में चला अभियान, 151 पौधे रोपित कर दिया...

खबर संक्षेप

आत्महत्या को मजबूर करने वाला काबू

कोसली। पुलिस ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक महिला के सुसाइड करने के बाद कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। महिला के सुसाइड करने के बाद मायके पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप लगाए थे। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। इस मामले में एक आरोपी सूबे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजा।

दहेज उत्पीड़न के मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक गांव निवासी महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत 10 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में कारवाई करते हुए पुलिस ने गुरूग्राम के खंडेवला निवासी राज सोनी को गिरफ्तार किया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

गैर इरादतन हत्या का आरोपी दबोचा

कोसली। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ति पक्ष की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत 6 जून को लापरवाही के आरोप में केस दर्ज किया था। इस मामले में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के रमेश नगर निवासी संजय तनेजा को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सड़क हादसे का आरोपी चालक काबू

कोसली। पुलिस ने जून माह में हुए सड़क हादसे के बाद मौके से फरार एक वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पीड़ति पक्ष की ओर से वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। वाहन चालक हादसे के बाद मौके से फरार होने में कामयाब हो गया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के गांव घोषी निवासी वाहन चालक मोहम्मद समीन को गिरफ्तार कर लिया। जांच में शामिल करने के बाद उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट मामले एक महिला गिरफ्तार

जाटूसाना। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़ित पक्ष के बयान पर रोहड़ाई थाना पुलिस ने 27 जून को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस टीम कड़ी कार्रवाई करते हुए इस मामले में रामपुरी निवासी उर्मिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मामले की गहन तफ्तीश करते हुए मामले में शामिल करने के बाद आरोपी महिला को पुलिस बेल पर छोड़ दिया।

आसमान साफ होते ही बढ़ी उमस, बादल छाने के बाद भी राहत नहीं, लोग परेशान

- इस सप्ताह भी परिवर्तनशील बना रहेगा मौसम, सप्ताह के अंत में अच्छी बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आसमान बादल छाने के बाद बूंदाबांदी होते ही मौसम सुहाना हो जाता है। बादल साफ होते ही भारी उमस पसीना सूखने नहीं देती। पारा मामूली चढ़ते ही भारी गर्मी जमकर परेशान करती है। इस सप्ताह मौसम में बार-बार बदलाव देखने को मिलेगा। सप्ताह के अंत में अच्छी बारिश की संभावना है। रविवार को सुबह के समय आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर तक आसमान साफ होने के बाद हवा में नमी ने भारी उमस पैदा कर दी। अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री की वृद्धि के साथ 36.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात का तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 27.0 डिग्री पर पहुंच गया। रात के समय मौसम गर्म बना रहा। हवा में नमी का स्तर 70 प्रतिशत रहा। दोपहर तक तेज धूप खिलने के बाद गर्मी ने लोगों के जमकर पसीने छुड़ाए। कूलरों की हवा ने चिपचिपाहट पैदा कर दी। शाम तक गर्मी के कारण लोग पसीने में भीगते रहे। भारी उमस ने दिन भर लोगों को जमकर परेशान किया। शाम के समय आसमान में आंशिक बादल छाए, परंतु गर्मी का असर कम नहीं हुआ। मौसम विभाग के अनुसार सप्ताह के शुरू में ही आंशिक बादलों के बीच बौछारें गिर सकती हैं, परंतु अच्छी बारिश के लिए सप्ताह के अंत तक इंतजार करना पड़ सकता है। इस दौरान तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। एक खेत में लहलहाती कपास की फसल। फोटो : हरिभूमि

बाजरे की बिजाई का कार्य हुआ तेज

अच्छी बारिश होने के बाद किसानों ने बाजरे की बिजाई का कार्य तेज कर दिया है। इस बार 91 हजार हेक्टेयर भूमि पर बाजरे की बिजाई का अनुमान है। जून माह के शुरू में ही 40 प्रतिशत तक किसानों ने बारिश के बाद बाजरे की बिजाई कर दी थी। उनकी फसल को बारिश से काफी फायदा हुआ था। खेतों में हरियाली छा रही है। कपास की फसल भी लहलहा रही है। इस सप्ताह बाजरे की बिजाई का कार्य लगभग पूरा हो जाएगा।

बिजली की खपत में होने लगा इजाफा

दो दिन पहले हुए बारिश के बाद तापमान गिरते ही बिजली की दैनिक खपत कम होकर 70 लाख यूनिट तक आ गई थी। दो दिन बारिश नहीं होने के कारण गर्मी का असर बढ़ गया है। एसी और बिजली के दूसरे उपकरणों का उपयोग बढ़ने से बिजली की खपत बढ़कर 90 लाख यूनिट के पार पहुंच गई है। पीक अवर्स में पावर कट भी लगाए जा रहे हैं, जिससे भारी गर्मी में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सरकुलर रोड, अनाजमंडी, सब्जीमंडी व मेन बाजार के पास गोवंशों का जमावड़ा

घोर लापरवाही: शहर के कई मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें बंद

अंधेरे में बीच सड़क पर खड़े गोवंश बन रहे आफत, बढ़ा रहे हादसों का खतरा, करीब 36 लाख रुपये का किया था टेंडर

स्ट्रीट लाइटों को चालू करने में सुस्ती बरत रही नगर परिषद, शहर में नजर नहीं आ रही गोवंश पकड़ने का टेंडर लेने वाली एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर की सड़कों पर लोगों की आफत बने गोवंश को पकड़ने के लिए नगर परिषद की ओर से एजेंसी का ठेका दिए तीन महीने से अधिक समय हो चुका है, लेकिन अभी भी सरकुलर रोड, अनाजमंडी, सब्जीमंडी, मेन बाजार व महाराणा प्रताप चौक सहित गली-मौहल्लों में गोवंश का जमावड़ा नजर आ रहा है। एजेंसी की ओर से गायों को पकड़ने के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। नगर परिषद की सुस्ती व एजेंसी की लापरवाही के कारण शहर की सड़कों से गोवंश की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं दिसंबर तक स्ट्रीट लाइटों का ठेका होने के बावजूद शहर की कई सड़कों पर रात के समय अंधेरा छाया हुआ है। रात के समय सड़कों पर गोवंश का जमावड़ा लगा रहता है। स्ट्रीट लाइटों के बंद रहने से वाहन चालकों को इन गोवंश से हमेशा हादसा होने का डर बना रहता है। पिछले दिनों गोवंश आक्रमक होकर वाहनों को नुकसान भी पहुंचा चुके है।

शहर की सड़कों पर घूमते ज्यादातर पशु पालतू है, जिनको पशुपालक दूध दोहने के बाद खुला छोड़ देते हैं और ये पशु आक्रमक होकर लोगों पर हमला करके शिकार बना रहे है। टेंडर होने के बाद भी शहर की सड़कों पर गोवंश की संख्या कम होती नजर नहीं आ रही है। शहर के मुख्य मार्गो, बाजार, कॉलोनी व मौहल्ले में हर तरफ गोवंश नजर आ रहे है।

रेवाड़ी। अनाजमंडी के सामने सड़क पर खड़े गोवंश व बचकर निकलते वाहन।

पशुपालकों पर नहीं हो रही कोई कार्रवाई

शहर की सड़कों पर घूमती गाएं ज्यादातर पशुपालकों की है। जिनको दूध दोहने के बाद सड़कों पर खुला ही छोड़ दिया जाता है। इन गायों को पकड़ने पर पशुपालक एजेंसी के कारिंदों का विरोध कर अपनी पशुओं को छुड़ा ले जाते है। वही कुछ पशुपालक नगर परिषद कार्यालय में पहुंचकर अधिकारियों के सामने बहाने बनाकर भी गायों को छुड़ा लेते है, जिसके बाद इन गोवंशों को लोगों की परेशानी बढ़ाने के लिए फिर से सड़कों पर छोड़ दिया जाता है।

रेवाड़ी। नेहरू पार्क के सामने स्ट्रीट लाइटें बंद रहने अंधेरा।

गोवंश पकड़ने के लिए लाखों का टेंडर

नगर परिषद की ओर से गोवंश को पकड़कर गोशालाओं में भेजने के लिए एक साल के लिए करीब 36 लाख रुपये का टेंडर किया गया है। नप अधिकारियों के अनुसार शहर से करीब 2000 गोवंश पकड़े जाने थे, लेकिन एजेंसी की ओर से 200 के करीब गोवंश ही पकड़े गए है। सड़कों पर गायों की संख्या से एजेंसी व नगर परिषद की लापरवाही साफ नजर आ रही है। नगर परिषद की ओर से एक गाय पकड़ने 2000 रुपये, सांड के लिए 1980 व एक बछड़े को पकड़ने के लिए 1680 रुपये निर्धारित किए गए है। पिछले दिनों गोवंश बुजुर्ग व महिला की जान ले चुके है, वहीं एक साल में दर्जनों लोगों को घायल करके अस्पताल पहुंचा चुके है।

गोवंश को पकड़ने का कार्य जारी

शहर की सड़कों पर घूमते गोवंश को पकड़ने का कार्य जारी है। गोशालाओं की डिमांड के अनुसार गोवंश भेजे जा रहे है। शहर की खराब स्ट्रीट लाइटों को जल्द ठीक कराया जाएगा। एजेंसी का सख्त निर्देश दिए जाएंगे।

-अरुण नांदल, ईओ, नगर परिषद।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, केस दर्ज

रेवाड़ी। पोस्टमार्टम के बाद युवक के शव को ले जाते हुए परिजन।

- मृतक 40 वर्षीय सोमबीर मजदूरी से चलाता था परिवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रोहतक रेल मार्ग पर शनिवार की रात पाल्हावास रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी ने पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। ट्रेन से कटने के कारणों की जांच की जा रही है।

गादला निवासी लगभग 40 वर्षीय सोमबीर शनिवार शाम को देर तक घर नहीं लौटा। वह मेहनत मजदूरी करके अपना परिवार चलाता था। उसके परिवार में पत्नी के साथ-साथ तीन बेटियां और एक बेटा है। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। उधर, रात को रोहतक से रेवाड़ी आ रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। जीआरपी ने सूचना मिलने के बाद शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने के प्रयास किए। सोमबीर के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। मृतक की पहचान सोमबीर के रूप में होने के बाद जीआरपी ने रविवार को शव का पोस्टमार्टम करा दिया।

मानसिक रूप से परेशान था सोमबीर

जीआरपी के एसआई कृष्ण कुमार के अनुसार सोमबीर के परिजनों ने बताया कि वह कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। इसी के चलते उसने ट्रेन के आगे कूदकर मौत को गले लगा लिया। परिवार उसकी कमाई पर ही आश्रित था। उसकी मौत से परिवार पर दुखों पर पहाड़ टूट पड़ा है।

आईटीआई में दाखिले के लिए तीन दिन शेष

रेवाड़ी। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा की ओर से राज्य के सभी राजकीय व निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026-27 के दाखिले के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन पत्र करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई हैं। प्रवक्ता ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के पास पंजीकरण के लिए शैक्षणिक योग्यता, आरक्षण व स्थाई निवासी प्रमाण-पत्र, फैमिली आईडी, मोबाइल नंबर, मेल आईडी व आधार कार्ड इत्यादि दस्तावेज होने चाहिए। विभिन्न दाखिला चरणों में मेरिट एवं सीट अलॉटमेंट जारी करने की सूचना वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी। पंजीकृत अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर ट्रेड व संस्थान का चयन कर सकते हैं।

संदिग्ध हालात में दसवीं के छात्र की मौत मेडिकल बोर्ड से कराया शव का पोस्टमार्टम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार तड़के घर से रेस लगाने के लिए निकले औलांत के एक 14 साल के किशोर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह दसवीं कक्षा का छात्रा था। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए खोल थाना पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया है। औलांत निवासी प्रदीप का बड़ा बेटा विवेक अलसुबह के समय गांव के अन्य लड़कों के साथ दौड़ लगाने के लिए सड़क पर निकला था। उसके दूसरे साथी दौड़ लगाते समय आगे निकल गए। वह पीछे रह गया था। इसी दौरान सड़क से गुजरने वाले लोगों ने विवेक को सड़क किनारे बेसुध पड़ा देखा। उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने के लिए बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मौत संदिग्ध नजर आने के कारण पुलिस ने परिजनों के कहने पर शव का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। बाद में गमगीन माहौल में किशोर का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

सड़क हादसे की जता रहे आशंका

ग्रामीणों के अनुसार जिस समय विवेक सड़क पर दौड़ रहा था, उस समय सड़क से दो वाहन निकले थे। आसपास खेतों में रहने वाले लोगों ने पुलिस को बताया कि उन्हें बचाओ-बचाओ की आवाज भी सुनाई दी थी। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे तो विवेक अचेत पड़ा हुआ था। उसके शरीर पर चोटों जैसे निशान भी पाए गए हैं। डहीना पुलिस चौकी प्रभारी के अनुसार मौत के कारणों का पता लगाने के लिए मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी चेक की जा रही है।

ब्लास्ट में मृतकों के परिवार से मिलने पहुंचे पूर्व मंत्री, निष्पक्ष जांच का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भाड़ावास रोड स्थित हंस नगर में 5 जुलाई को हुए ब्लास्ट में पिता-पुत्री की दर्दनाक मौत के बाद हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री डा. बनवारी लाल रविवार को पीड़ति परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने गांव टांकड़ी पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी और भरोसा दिलाया कि सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ खड़ी है। डा. बनवारी लाल ने कहा कि इस मामले को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से बात की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा पीड़ति परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। शनिवार को हंस नगर के लोगों ने सरकार और प्रशासन पर आरोप लगाए थे कि हादसे के छह दिन बीत जाने के बावजूद कोई जनप्रतिनिधि या प्रशासनिक अधिकारी पीड़ति परिवार का हालचाल जानने नहीं पहुंचा था। 5 जुलाई को हंस नगर में हुए ब्लास्ट में गंभीर रूप से झुलसे सतबीर सिंह चौहान और उनकी पुत्री तन्नू की उपचार के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि हादसे में घायल तीन अन्य लोग जयभवान, मधु व 3 वर्षीय खुशी दिल्ली के अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस ने इस मामले में घरेलू गैस आपूर्ति से जुड़ी इंडियन गैस लिमिटेड के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। हांलाकि अभी तक ब्लास्ट के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है।

रेवाड़ी। गांव टांकड़ी में पीड़ति परिवार से मिलते डा. बनवारी लाल।

36.18 लाख की ठगी में छठा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने गत वर्ष अगस्त माह में सरकुलर रोड निवासी एक व्यक्ति से शेयर मोर्केट में निवेश के नाम पर 36.18 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले में पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

गत वर्ष 23 अगस्त को धीरज शर्मा ने पुलिस शिकायत में बताया था कि उसने सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट में निवेश करने का विज्ञापन देखा था। उससे 20 जुलाई 2025 से 19 अगस्त 2025 तक 10 बैंक खातों में कुल 3618080 रुपये ट्रांसफर करा लिए। उसके शेयर खाते में लगभग 4.33 करोड़ रुपये दर्शाए गए। जब उसने राशि निकालने का प्रयास किया, तो उससे 10 लाख रुपये और ट्रांसफर करने को कहा गया। इसके बाद उसे साइबर ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने शिकायत पर पांच आरोपियों को गिरफ्तार लिया था। इस मामले में पुलिस ने एक और आरोपी नितेश पिरमलाल देवगडे को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चेतन भीवराम चकॉटे के बैंक खाते में ठगी के 01 लाख 20 हजार ट्रांसफर हुए थे, जबकि नितेश ने साइबर ठगों को खाता मुहैया कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

नपा अधिकारी शहर में जाम की समस्या को लेकर नहीं गंभीर

धारूहेड़ा के पलवल-सोहना रोड पर अतिक्रमण से लग रहा जाम

जाम से निजात पाने के लिए शहरवासियों ने की फ्लाई ओवर और पुलिस स्टेशन के बाद लूप की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कस्बे के रेवाड़ी-पलवल-सोहना रोड पर अतिक्रमण लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। अतिक्रमण के कारण मार्ग पर हर आधे घंटे में लग रहे जाम के कारण ट्रैफिक व्यवस्था बाधित होने के साथ वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ रही है। जाम के कारण लोग पैदल भी नहीं निकल पा रहे है। नगर पालिका के अधिकारी समस्या को लेकर गंभीर नहीं है। कस्बे में भगत सिंह चौक से काम्प्लेक्स तक दुकानदारों ने 20-20 फीट के चबूतरे बनाकर अवैध कब्जे कर लिए है।

रेवाड़ी। धारूहेड़ा में जाम खुलवाते हुए युवक।

मार्ग को चौड़ा करने की मांग

कस्बे के लोगों ने रेवाड़ी-सोहना रोड नेशनल हाइवे नंबर 919 को चौड़ा करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये मार्ग भिवाड़ी इंडस्ट्रीयल एरिये को जोड़ता है। सोहना, पलवल, फरीदाबाद, भिवाड़ी व अलवर जाने के लिए वाहन इसी मार्ग से गुजरते है, जिसके कारण हमेशा जाम लगा रहता है। जाम से निजात दिलाने के लिए फ्लाईओवर तथा पुलिस स्टेशन के पास सड़क लूप जरूरी है पुलिस की टीम भी जाम की समस्या से परेशान हो चुकी है। वाहन चालकों व दुकानदारों ने मार्ग को पार्किंग स्थल बना दिया है।

गांवों के रास्ते निकाल रहे वाहन

समाजसेवी जे पी यादव ने बताया कि हाइवे के आसपास लगते हुए गांव के लोग भी अतिक्रमण व जाम से परेशान हैं। जब हाइवे पर वाहनों की लंबी कतार लगती है तो आसपास के उद्यमी व व्यापारी अपने गणत्व्य पर पहुंचने के लिए वाहनों को गांव के रास्ते निकालते पहुंचते हैं। जाम के कारण नेशनल हाइवे पर वाहन घंटों स्टार्ट खड़े रहते हैं, जिससे धुंए के कारण आसपास का वातावरण दूषित हो रहा है। हाइवे के आसपास बसे हुए ग्रामीण, होटल और ढाबा संचालकों को प्रदूषण का दंश झेलना पड़ रहा है। कस्बे के लोगों ने प्रशासन से अतिक्रमण तथा सड़क से वाहनों की अवैध पार्किंग हटाने की मांग की है।

हम वो हैं जो हमें हमारी सोच ने बनाया है, इसलिए इस बात का धयान रखिये कि आप क्या सोचते हैं। शब्द गौण हैं, विचार रहते हैं, वे दूर तक यात्रा करते हैं।

- स्वामी विवेकानंद

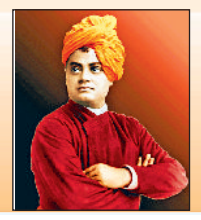

कहानी

आशमा कौल

धूप का टुकड़ा

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी।

सुबह की गई काजल, जब भी दिन में स्कूल से घर लौटती तो आते ही मां को खोजना शुरू कर देती और कहीं न दिखने पर वह हमेशा अपने पिछले दरवाजे से बाहर जाकर मां को चारपाई के कोने पर ही बैठा पाती । उसे मालूम है कि मां को यह जगह बहुत पसंद है, हो भी क्यों न, पूरे दिन की थकी मां यहीं आकर तो थोड़ा विश्राम करती है। विमला गर्मियों में नीम के पेड़ की ओट में अपनी चारपाई लगा लेती और सर्दियों में अपनी चारपाई को थोड़ा सा धूप की तरफ़ खिसका कर अपनी ठंडी देह को थोड़ा गर्माइश देने की कोशिश करती।

पूरे दिन में यह आधा-पौना घंटा सिर्फ उसका होता, जिसमें वह जो मन आता वह करती। सर्दी के दिनों में उस नियत समय पर चारपाई के कोने में चुपचाप बैठे हुए धूप के उस टुकड़े को विमला अपनी बाहों में भर लेती या शायद यूं भी कह सकते हैं कि धूप का वह टुकड़ा उसे अपनी बाहों में भर लेता, एक अन्तरंग सखा की तरह। काजल के आने तक वह धूप का टुकड़ा भी अलविदा कह कर चला जाता और विमला काजल के लिए गरम-गरम रोटियां सेंकने रसोई घर में चली जाती। मां-बेटी साथ बैठ कर दिन का भोजन करतीं और फिर काजल अपनी सहेलियों के साथ खेलने चली जाती। जब सूरज अपने घर जाने की तैयारी में होता, तब विमला शाम के भोजन की तैयारी में जुट जाती। बेटा सुधीर शाम को कॉलेज से घर आता और उसके कुछ देर बाद ही पति भी दफ्तर से आ जाते। रात के भोजन में ज्यादा काम रहता तो काजल भी रसोई के काम में मां का हाथ बंटाती। घर में पतिदेव भी कभी-कभी मज़ाक करते –

"दिन में जब कभी मैं घर आ जाऊं तो तुम्हारी मां को तो फुरसत ही नहीं होती, वह तो अपने सखा धूप के संग गल बहियां डाले मस्त हो जाती है''।

यह सुनकर सब हंसते और विमला भी चिरोरी करने से बाज़ न आती और कहती –

" आप चिढ़ते क्यों हो मेरे प्रेमी से, यह मेरा सच्चा हमदर्द है, आपकी तरह सिर्फ आदेश नहीं देता, बल्कि अपने प्यार से मुझमें ऊर्जा का संचार करता है। और तो और, उसने मुझसे वादा कर रखा है कि वह मुझसे दिन में एक बार मिलने तो ज़रूर आएगा"।

समय नदी की धार की तरह बहता रहा और सुधीर और काजल उस धार में डुबकियां लगाते बड़े हो गए और वह दिन भी आ गया जब सुधीर दूल्हा बना और अपनी दुल्हिन कंचन को धूमधाम से घर ले आया। कंचन के आने से घर खुशियों से भर गया और काजल को भी एक सहेली मिल गयी या यूं कहें कि बहन मिल गई। कंचन भी काम पर जाती थी, फिर भी सवेरे के समय में वह सासु मां का हाथ बंटाती और शाम को दफ्तर से आने के बाद भी खाने की मेज़ सजाने में मदद करती। लेकिन विमला के दिन का नियम नहीं बदला, सर्दी हो या गर्मी, धूप का टुकड़ा उनसे मिलने रोज़ ही आता और वह भी चारपाई पर बैठ उसे अपने आगोश में भर लेती। कभी कभी ऐसा भी होता कि बादल उस धूप के टुकड़े को लोरी सुनाकर अपने रेशमी आंचल में सुला देते, तब विमला बच्चों की तरह उदास हो जाती और आकाश में ऊपर देख कर बादलों से उसको रिहा करने की गुजारिश करती। अब तो उसकी बहू कंचन भी उसके इस गुप्त प्रेम से वाकिफ़ हो गई थी और उसे छेड़ती थी। सर्दी के छुट्टी वाले दिन तो अब मां के साथ-साथ बहू और बेटी भी उस धूप के टुकड़े की गर्माइश लेने चारपाई पर आ धमकती और उस मीठी-मीठी गर्माइश को अपने अंदर समेट लेतीं।

कभी-कभी विमला के पड़ोस की सहेलियां भी चारपाई पर अपने ऊन के गोले और सलाइयां लेकर बैठ जाती और फिर जमती उनकी गप्पों की महफिल। सर्दियों में चाय के कप टकराते और मूंगफली और गजक की दुकान लग जाती। लेकिन विमला को पसंद था चुपचाप उस धूप के टुकड़े से बतियाना। अपनी कितनी ही मन की बातें वह मन ही मन अपने उस खास मित्र से करती और न जाने कितने सवालों के जवाब भी उससे पा लेती और कभी आंखें बंद करके उसकी ऊर्जा को अपने अंदर उतारने की कोशिश करती। यह सब देख कर उसकी सहेलियों को उससे ईर्ष्या भी होती और उनमें से बड़बोली रमा बोल ही देती कि -

" विमला, हमे मालूम है तुम्हें हमारी कोई जरूरत नहीं है, तुम तो अपनी दुनिया में खोई रहती हो, हम तो बस तुम्हारी खैर खबर लेने आ जाते हैं। वैसे हमारी किस्मत तुम्हारे जितनी अच्छी भी नहीं है, हमारे आंगन में तो ये धूप दर्शन ही नहीं देती, इसलिए भी कभी-कभी आ जाते हैं"।

" ऐसी कोई बात नहीं, आप चाहो तो रोज़ आओ, धूप किसी की जागीर तो नहीं, इस पर तो सबका हक है। मैं तो अपने हिस्से की धूप ले ही लेती हूं, आपकी जब इच्छा हो आओ, चारपाई तो वहां बिछी ही रहती है" – विमला ने प्यार से कहा तो सभी सहेलियां खुश हो गई।

कंचन भी पढ़-लिख कर स्कूल में अध्यापिका बन गई और अब उसके ब्याह के लिए भी रिश्ते आने लगे। मां-पिता और भैय्या-भाभी सब उसके लिए अच्छा वर ढूंढने में लग गए। कभी लड़का-लड़की की जन्मपत्री न मिलती, कभी कद-काठी न मिलती तो कभी स्वभाव न मिल पाता। कंचन झुंझला कर कहती –" मां, मुझे परेशान न करो, मैं आपके पास बहुत खुश हूं" तो विमला का जवाब हमेशा यही होता– "जोड़ियां तो ऊपर आकाश में बनती हैं, तुम्हारे लिए जो बना है वह खुद ब खुद सामने आ जाएगा और तुम्हें ब्याह कर ले जाएगा"। बिल्कुल ऐसा ही हुआ, एक पारिवारिक समारोह में कंचन किसी के मन को भा गई और ईश्वर की कृपया से जन्मपत्री, कद-काठी और दोनों का स्वभाव भी मिल गया तो फिर क्या था। दोनों परिवार मिले और ब्याह की तारीख भी निश्चित हो गई। पूरा घर लाड़ली बिटिया के ब्याह की तयारियों में लग गया और वह खूबसूरत दिन भी आ गया, जब कंचन दुल्हन के जोड़े में धमक रही थी।

विमला, बेटी की बलैयां लेते न थकती और ईश्वर को प्रणाम करना न भूलती। बहुत धूम-धाम से विवाह सम्पन्न हुआ और कंचन अपने सुसराल चली गई। बहुत दिनों तक घर वाले कंचन के बिना उदास रहे और खास कर मां अपनी बेटी की याद में बार-बार आंसू बहाती। लेकिन वह बहुत खुश भी थी कि बिटिया को एक बहुत अच्छा ससुराल और सुयोग्य वर मिला है। विवाह की व्यस्तता में भी विमला कुछ पल अपने मित्र से मिल ही लेती और अब तो वह अपने नियत समय पर चारपाई के कोने पर बैठी मिलती। कुछ समय उपरांत बहू गर्भवती हुई तो विमला उसे भी थोड़ी देर धूप में बैठने के फायदे बताती और अब दो से भले तीन हो गए थे इस मित्रता के बंधन में और समय बीतते देर न लगी। विमला दादी की पदवी पर आ गई और अब तो उस नन्हे-मुन्ने के साथ धूप के हमझोली तीन से चार हो गए ।

दिन में विमला मुन्ने को लेकर चारपाई पर खेलती, मालिश करती और उस धूप के टुकड़े के आगोश में उसे सुलाती। अब मुन्ने का साम्राज्य हो गया था तो सहेलियां भी हाल-चाल पूछ कर आगे निकल जाती। कंचन बिटिया जब कभी दिन में ससुराल से मायके आती तो मां और मुन्ना से मिलने सीधा पीछे आंगन में आती और मुन्ना को अपनी गोद में लेकर, खुद मां की गोद में लेट जाती और अपने ससुराल और स्कूल की बातें बता कर दिल को हल्का करती ।

सर्दियों के दिन गुज़र गए थे और गर्मियों ने अपना डेरा डाल लिया था। अब विमला चारपाई को नीम के पेड़ की छांव में लगा कर सुस्ताया करती। उम्र बढ़ रही थी और विमला कुछ दिनों से थका हुआ महसूस कर रही थी। एक दिन बिना किसी को तकलीफ दिए वह उसी धूप के टुकड़े की बाहों में ऐसी सोई कि फिर कभी उठी ही नहीं।

छुट्टी का दिन था और सब घर में ही थे, हंगामा मच गया। डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन विमला तो बिना किसी को अलविदा कहे सूरज के पंखों पर बैठ कर अनजान दुनिया के लिए निकल गई थी।

आज विमला को देह त्यागे एक वर्ष हो गया है, लेकिन धूप का टुकड़ा उससे मिलने अभी भी रोज़ आता है और सबको विमला की याद दिलाता है। कंचन ससुराल में व्यस्त हो गयी है और अब मायके कम ही आ पाती है।

आज बहुत दिनों के बाद कंचन मायके आई है और आदतन सबसे पहले पीछे आंगन में गई है, शायद मां की यादें समेटने। वह चारपाई के उसी कोने पर आ कर बैठी है, जहां मां रोज़ दिन में बैठती थी। उसे महसूस हो रहा है, जैसे वह धूप का टुकड़ा नहीं, उसके मां की गरम हथेलियां हैं, जो उसे सहला रही हैं और उसे पता ही न चला कि वह कब नींद के आगोश में आ गई। घर में सब कंचन को ढूंढ रहे हैं कि वह कहां गई, किसी को पता ही न चला कि वह मां की तरह गुनगुनी और नर्म धूप की बाहों में सो रही है।

पुस्तक समीक्षा

भवन निर्माण संबंधी शास्त्र का भंडार है 'वास्तु विज्ञान'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

वास्तुशास्त्र भारतीय ज्ञान परम्परा की एक महत्वपूर्ण विधा है, जो ब्रह्माण्ड और प्रकृति के मूलभूत सिद्धान्तों के साथ मानव निवास के सामंजस्य को समझाने का प्रयास करती है। पृथ्वी के वातावरण में ये ऊर्जाएं मुख्यतः उत्तर से दक्षिण तथा पूर्व से पश्चिम की दिशा में निरन्तर प्रवाहित होती रहती हैं। जब पृथ्वी पर किसी भवन या संरचना का निर्माण किया जाता है, तब इन ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह में परिवर्तन अथवा अवरोध उत्पन्न होता है। यही ऊर्जाएं निर्मित भवन में भी प्रवेश करती हैं और भवन की दिशा, संरचना तथा आन्तरिक व्यवस्था के आधार पर उनके सन्तुलन का स्वरूप निर्धारित होता है।

प्राचीन आचार्यों द्वारा प्रतिपादित वास्तुशास्त्र इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण माध्यम माना गया है। इसी विषय पर आधारित सोमप्रकाश पांचाल की लिखी पुस्तक 'वास्तु विज्ञान' का प्रकाशन श्री अंगिरा शोध संस्थान द्वारा किया गया है। पुस्तक को कुल ग्यारह अध्यायों में विभाजित किया गया है। आधुनिक युग में भी वास्तु शास्त्र की क्या महत्ता है और इसे अपनाने के क्या लाभ हानि हो सकते हैं, इस बारे में पुस्तक में विस्तार से बताया गया है। लेखक ने अपनी बात को गहराई से समझाने के लिए पुस्तक में रेखा चित्रों का भी बखूबी इस्तेमाल किया है। मकान या भवन आदि के निर्माण के समय बरती जाने वाली वास्तु संबंधी तमाम जानकारियों से लबरेज यह पुस्तक वास्तव में वास्तु शास्त्र में विश्वास रखने वालों के लिए लाभदायक साबित होगी। क्लिष्ट शब्दावली इस्तेमाल में लाई गई है। हालांकि इसे आसानी से समझाने के लिए अंग्रेजी के शब्द भी साथ में दिए हैं। कई जगह संदर्भ के लिए संस्कृत के श्लोकों का भी वर्णन है। किन्तु विषय विशेष को देखते हुए इसे लेखन की आवश्यकता भी माना जा सकता है। वास्तु शास्त्र संबंधी लाभकारी बातों की शुचिता के लिए लेखक ने संदर्भित ग्रन्थों व अन्य सहायक सामग्री का भी विवरण दिया है। करीब सवा तीन सौ पृष्ठों में संकलित यह पुस्तक वास्तु विज्ञान में रुचि रखने वाले पाठकों और शोधार्थियों के लिए काफी लाभदायक रहेगी, ऐसा माना जा सकता है। कुल मिलाकर वास्तु विज्ञान को लेकर पाठकों का ज्ञानवर्धन करने का लेखक का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा है।

कवि कॉर्नर

कविता | डॉ. जेके डागर

वाणी का महत्व

कटु वचनों से जिंदगी सदा जहर होगी।
मीठी वाणी बोलिये तो सुधा नहर होगी।

दुश्मन को सखा बना देगा जुबाँ का जादू,
काबू रखिये इसे खुशियों की लहर होगी।

सदा तोल मोल कर बोलोगे तो पाओगे,
हर शाम शांतिपूर्ण, मुस्काती सहर होगी।

शोले बरसाते रहे जोअगर सदा रसना से ,
अपने और अपनों को हरदम कहर होगी।

छान छान कर कहे डागर,जो शब्द रसीले
तेरी चर्चा हर गांव गांव और शहर होगी।।

कविता | मनीषा मंजरी

रिश्ता

खून का हो या कच्चे धागे का
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

चमन का माली से, जीजा का साली से,
कीड़े का नाली से, दशहरे का दिवाली से।
रिश्ता तो .....

सजनी का साजन से, घर का आँगन से,
नाग का नागिन से, चोली का दामन से।
रिश्ता तो .....

मछली का पानी से,राजा का रानी से,
आकाश का तारों से, नदिया का किनारों से।
रिश्ता तो.....

राधा का श्याम से,रामायण का राम से,
घोड़े का लगाम से,मालिक का गुलाम से।
रिश्ता तो .....

कल का आज से, मूलधन का ब्याज से,
सब्जी का प्याज से, शाहजहाँ का मुमताज से।
रिश्ता तो .....

म्यान का तलवार से,सैनिक का हथियार से,
डॉक्टर का बीमार से,बनिए का बाजार से।
रिश्ता तो.....

शायर का कलम से, प्रियतमा का सनम से,
सच्चाई का धर्म से,और मृत्यु का जन्म से।
रिश्ता तो.....

नाविक का नाव से,और जूती का पाँव से,
पहलवान का दाव से,सुधीर का कौल गाँव से।
रिश्ता तो आखिर रिश्ता ही है।

शोक सभा में ब्रांडेड कपड़े और चश्मा

बचपन | आसिम अनमोल

एक ज़माना था शोक की खबर प्रत्येक मानव जाति के हृदय पर ग़मों की बौछार कर देती थी। आज के समय में इंसान मर रहा होता है तो उस पर दृष्टि डालना तो दूर खुद जीने के प्रयास में बड़े परिश्रम से लगा रहता है। पहले के लोग शोक सभा में जाने से पहले दहाड़े मार-मारकर पूरी सामाजिकता निभाते हुए रो-रोकर और आंखें फोड़ लिया करते थे। आज उन्ही आंखों को गुलाब जल से धोकर पहले स्वस्थ किया जाता है। फिर नैनों में काजल भरकर रील बनाकर वायरल किया जाता है।

पहले के लोग वस्त्र जो पहने होते थे, उसी अवस्था में शोक की ख़बर सुनकर फाइव जी स्पीड से भाग खड़े होते थे। मनुष्य आज ख़बर सुनने के बजाय टी.बी. पर चल रही वेब सीरीज़ देखना ज्यादा पसंद कर रहा है। शोक ख़बर सुनने के उपरांत इतना आधुनिक हो जाता है इंसान कि पत्नी से यह कहने की चेष्टा तक कर डालता है कि सेफ़ से अच्छा सा सूट निकाल देना। संसार से जाने वाला भी बहुत शौक़ीन था कपड़े पहनने का। शोक का माहौल है तो क्या हुआ। साफ़- साफ़ ब्रांडेड कपड़े

पहनकर जाने से मरने वाले की आत्मा को शान्ति तो मिलेगी। स्टेटस भी बना रहेगा। शोक का माहौल अब इंसान के मूड पर परिवर्तित हो गया है। अब शोक की ख़बर जैसे ही इंसान के कानों तक पहुंचती है, चेहरों पर वो भाव ही नज़र नहीं आते जिन चेहरों पर उदासीनता की मोहर छप जाती थी। अब शोक की ख़बर तक को फ़ोन पर ही निपटा दिया जाता है। शोक में आने वाला भी अर्थी उठने से पांच मिनट पहले आकर इतिश्री कर लेता है। पुरुष तो पुरुष महिलाएं भी शोक में जाने के लिए नए-नए वस्त्रों का चयन करने से खुद को रोक नहीं पातीं । उनका भी आधुनिक हृदय चटक-पटक वस्त्र पहनने के लिए खूब मचलता है। शोक में श्वेत वस्त्र उनके हृदय को ऐसे खटकता है, जैसे इस संसार से उनका जाने का कोई इरादा न हो। रंग-बिरंगे आधुनिक वस्त्रों को धारण करने से शोक का माहौल रंगीनियत में परिवर्तित करने की जैसे मुहिम छिड़ी हुई है। परिवर्तन ही शाश्वत नियम है। अब लिपस्टिक ओठों पर न लगी हो, आंखों पर काला चश्मा न हो तो शोक वाले घर में आधुनिकता का ढोल कैसे पिटेगा। वैसे भी जाने वाला तो चला गया। उसको देखने आने वाले लोग अपने अपने तरीके से आएंगे और जाएंगे।

जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी।

अपने अनोखे तौर तरीकों से शोक सभा में बातचीत करने की कला का प्रदर्शन भी करेंगे। ऐसे प्रदर्शनों से लोगों की बड़े पैमाने पर सहभागिता भी रहेगी। जब तक अर्थी शमशान घाट तक का सफर तय नहीं कर लेती, तब तक दुनियादारी की सारी बातें शोक सभा में ही बातों का टारगेट पूरा करके दम लेंगी। यह तय और सुनिश्चित है।

कुछ हटकर

बैचलर इन फैशन डिजाइन के क्षेत्र में बनाएं करियर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ डिजाइन इन फैशन डिजाइन (बी.डिज़ाइन फैशन डिजाइन) चार वर्षीय रचनात्मक एवं व्यावसायिक स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को फैशन, परिधान निर्माण, स्टाइलिंग, डिजाइन सौंदर्यशास्त्र और फैशन उद्योग की व्यावहारिक समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः फैशन इलस्ट्रेशन, टेक्सटाइल डिजाइन, गारमेंट कंस्ट्रक्शन, पैटर्न मेकिंग, फैशन स्टाइलिंग, फैशन मर्चेंडाइजिंग, फैशन मार्केटिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइन, विजुअल मर्चेंडाइजिंग, कंप्यूटर एडेड डिजाइन (CAD) और फैशन फोरकास्टिंग जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन और उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। फैशन डिजाइन केवल कपड़ों की डिजाइनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, संस्कृति, ट्रेंड, ब्रांडिंग और लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। टेक्सटाइल एवं गारमेंट डिजाइन फैशन उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षण को बढ़ाते हैं।

विशेषज्ञताएं

- फैशन डिजाइन
- टेक्सटाइल डिजाइन
- फैशन स्टाइलिंग
- फैशन कम्युनिकेशन
- कॉस्ट्यूम डिजाइन
- लक्जरी एवं लाइफस्टाइल डिजाइन
- फैशन मर्चेंडाइजिंग
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग
- एक्सेसरी एवं ज्वेलरी डिजाइन
- फैशन मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग
- सस्टेनेबल फैशन डिजाइन
- डिजिटल फैशन एवं फैशन टेक्नोलॉजी

आवश्यक कौशल

- फैशन स्केचिंग एवं इलस्ट्रेशन कौशल
- डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ
- रंग संयोजन एवं फैब्रिक चयन की जानकारी
- ट्रेंड एनालिसिस व फैशन फोरकास्टिंग क्षमता
- गारमेंट निर्माण एवं पैटर्न मेकिंग की समझ होना

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प विभाग
- डिजाइन एवं शिक्षा संस्थान
- पॉलिटेक्निक एवं डिजाइन संस्थानों में व्याख्याता

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹3.5–₹7.0 लाख वार्षिक (विभाग एवं पदानुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹8–₹18 लाख वार्षिक; विभिन्न सरकारी परियोजनाओं एवं परामर्श भूमिकाओं में अतिरिक्त अवसर उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

फैशन एवं लाइफस्टाइल उद्योग आज विश्व के सबसे बड़े रचनात्मक एवं रोजगार-उन्मुख क्षेत्रों में से एक है। फैशन ब्रांड्स, डिजाइन स्टूडियो, ई-कॉमर्स कंपनियाँ, मीडिया हाउस और लक्जरी उद्योग ऐसे प्रोफेशनल्स की तलाश में रहते हैं जो रचनात्मकता और व्यावसायिक समझ के साथ कार्य कर सकें।

उच्च अध्ययन के विकल्प

- मास्टर ऑफ डिजाइन (एम.डिजाइन)
- एम.बी.ए. फैशन मैनेजमेंट
- पी.जी. कार्यक्रम इन फैशन स्टाइलिंग एवं लक्जरी ब्रांडिंग
- टेक्सटाइल एवं सरफेस डिजाइन में विशेषज्ञता

अधिक जानकारी के लिए **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

सुविधा के दौर में संघर्ष का महत्व

आज का समय अभूतपूर्व सुविधाओं का समय है। एक क्लिक पर भोजन घर पहुंच जाता है, मोबाइल फोन पर दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकों ने जीवन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। सुविधाएं मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए हैं, लेकिन इनके बीच एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी उभर रहा है, क्या सुविधा की अधिकता हमें संघर्ष से दूर कर रही है? हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां होती हैं।

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

पहले संसाधनों की कमी थी, आज विकल्पों की अधिकता है। पहले लोगों को अवसर खोजने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज अवसर हमारी स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। लेकिन एक बात तब भी सत्य थी और आज भी है, स्थायी सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। सफलता का मार्ग आज भी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और संघर्ष से होकर ही गुजरता है।वर्तमान समय में कई युवा त्वरित सफलता की अपेक्षा रखते हैं। सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली उपलब्धियां, कुछ महीनों में प्रसिद्धि पाने की कहानियां और रातों-रात सफल होने की धारणा कई बार युवाओं को वास्तविकता से दूर ले जाती है। वे सफलता का परिणाम देखते हैं, लेकिन उसके पीछे वर्षों का परिश्रम, असफलताएं और संघर्ष नहीं देख पाते। यही कारण है कि छोटी असफलता भी कई युवाओं को निराश कर देती है। वास्तव में संघर्ष केवल कठिनाइयों का नाम नहीं है। संघर्ष वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को मजबूत बनाती है। जब हम चुनौतियों का सामना करते हैं, तब हमारे भीतर धैर्य, आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और समस्या-समाधान की योग्यता विकसित होती है। जीवन की कठिन परिस्थितियां हमें वह सिखाती हैं, जो अक्सर किताबें नहीं सिखा पातीं। इतिहास गवाह है कि अधिकांश सफल व्यक्तियों ने संघर्ष का सामना किया है। संघर्ष का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है, असफलताओं को स्वीकार करना।

आज की दुनिया में तकनीक बदल सकती है, अवसर बदल सकते हैं और काम करने के तरीके बदल सकते हैं, लेकिन संघर्ष का महत्व कभी कम नहीं होगा। सुविधा हमें गति दे सकती है, लेकिन संघर्ष हमें क्षमता देता है। सुविधा रास्ता आसान बनाती है, जबकि संघर्ष व्यक्ति को मजबूत बनाता है। अंततः जीवन में वही लोग आगे बढ़ते हैं जो चुनौतियों से घबराते नहीं, बल्कि उन्हें सीखने और आगे बढ़ने का अवसर मानते हैं। इसलिए युवाओं को सुविधा का लाभ अवश्य लेना चाहिए, लेकिन संघर्ष से दूरी नहीं बनानी चाहिए। क्योंकि चरित्र सुविधा से नहीं, बल्कि संघर्ष से बनता है। और मजबूत चरित्र ही स्थायी सफलता की सबसे बड़ी नींव है।

लघु कथा

उधार की जुबान

मंच पर आज वो कुछ ज़्यादा ही चमका था।
विरोधी पर हमला करते-करते सीधे उसकी बहन तक उतर आया था।
भीड़ खिलखिला रही थी—जैसे किसी का अपमान नहीं, कोई मज़ाक चल रहा हो।
तालियां... सीटी... ठहाके ...और वो- गर्व से भरा हुआ।

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

मंच से उतरते वक्त उसने सोचा—"आज तो खेल कर दिया..."
घर पहुंचा—तो बाहर ही "खेल" चल रहा था।
पड़ोसी उसकी पत्नी से उलझा हुआ था,
बेटी रो रही थी...
और फिर—
"तुम्हारी बेटी भी...!"
वही शब्द।
वही लहजा।
वही गंदगी।
नेता ठिठक गया।
"ज़ुबान संभालकर बात करो!" वो चीखा।
पड़ोसी हंसा—"अरे नेता जी, नाराज़ क्यों होते हैं?
ये ज़ुबान तो आपकी ही दी हुई है...बस आज उधार लौटाई है।"
आसपास खड़े लोग चुप थे- पर उनकी आंखों में वही तालियां बज रही थीं।
नेता के पास शब्द नहीं थे। पहली बार उसे अहसास हुआ
वो शब्द जो वो दूसरों की बेटियों के लिए बोलता रहा,
आज उसके अपने घर का दरवाज़ा खटखटा रहे है।
घुमंतू कहता हुआ ,आगे बढ़ गया
"शब्द कभी मरते नहीं...
बस वक्त आने परअपना पता बदल लेते हैं।"

3 माह में 117 आरोपित गिरफ्तार, 53 पीओ-बेल जंपर भी दबोचे, एनडीपीएस के 24 केस में 49 पकड़े

पुलिस की बड़ी कामयाबी : एनडीपीएस, अवैध शराब, हथियार व जुए के मामलों में लगातार कार्रवाई

■ हत्या व हत्या के प्रयास के सभी मामलों का 100 प्रतिशत खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि एक अप्रैल से अब तक विभिन्न आपराधिक मामलों में सख्त कार्रवाई करते हुए कुल 118 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही लंबे समय से फरार चल रहे 52 उद्घोषित अपराधियों (पीओ) और एक बेल जंपर को भी पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में भय का माहौल बना है, वहीं आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

पुलिस विभाग का कहना है कि जिले की पुलिस टीमों ने जघन्य अपराधों के खुलासे के साथ-साथ नशा तस्करों, अवैध शराब कारोबारियों, अवैध हथियार रखने वालों और अन्य अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया। इस दौरान एनडीपीएस अधिनियम के तहत 24 मामलों में 49 आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17.294 किलोग्राम गांजा, 115.140 किलोग्राम चूरापोस्त (भुक्की), 184.110 ग्राम चिट्टा/हेरोइन, 67 ग्राम अफीम, 9.840 ग्राम स्मैक तथा 2,436 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। वहीं आबकारी अधिनियम के तहत 23 मामलों में 27 आरोपितों की गिरफ्तारी कर 1124.25 बोतल अवैध शराब, 174.5 बोतल अंग्रेजी शराब, 68.5 बोतल बीयर, 8.25 लीटर कच्ची शराब तथा 30.2 लीटर लाहन बरामद किया गया। अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के 10 मामलों में 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से चार देशी कट्टे, छह देशी पिस्टल, 16 कारतूस, एक तलवार और एक जेली (विस्फोटक पदार्थ) बरामद की गई। वहीं जुआ अधिनियम के तहत सात मामलों में 28 आरोपितों को गिरफ्तार कर 63,790 रुपये की नकद जुआ राशि जब्त की गई।

पारदी गैंग के 7 सदस्य गिरफ्तार

इस अवधि की सबसे बड़ी सफलता बहुचर्चित अंतरराज्यीय पारदी गैंग का पर्दाफाश रही। पुलिस ने गैंग के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के आवास में चोरी के प्रयास के मामले का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि इसी गैंग ने महेंद्रगढ़ व नारनौल क्षेत्र से दो मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को भी अंजाम दिया था। आरोपितों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में हत्या, लूट, गृहभेदन और चोरी जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए हत्या के सभी 11 तथा हत्या के प्रयास के सभी सात मामलों का 100 प्रतिशत निस्तारण किया। महिलाओं से संबंधित सभी दर्ज मामलों का भी सफलतापूर्वक समाधान किया गया। इसके अलावा संपत्ति चोरी के मामलों में करीब 40 प्रतिशत संपत्ति बरामद की गई, जबकि मोटरवाहन चोरी के मामलों में 84 प्रतिशत वाहनों की बरामदगी कर उन्हें उनके मालिकों को लौटाया गया।

सर्च अभियान भी चलाया

इस संबंध में पुलिस अधीक्षक दीपक ने बताया कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की ओर से समय-समय पर विशेष सर्च अभियान भी चलाए गए। इन अभियानों में नशा तस्करों, अवैध शराब कारोबारियों, अवैध हथियार रखने वालों और लंबे समय से फरार अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कानूनी कार्रवाई की गई। एसपी ने आमजन से कहा है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि, नशे के कारोबार या संदिग्ध व्यक्ति की सूचना तत्काल नजदीकी थाना, पुलिस चौकी अथवा डायल-112 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

खबर संक्षेप

श्रीराधा कृष्ण संगठन ने निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। नगर की प्रसिद्ध सामाजिक व धार्मिक संस्था श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 182वीं प्रभात फेरी का आयोजन हुडा सेक्टर से किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य यजमान अरुण नूनीवाला व श्रद्धालुओं के साथ ठाकुर जी की आरती कर किया। नूनीवाला परिवार ने आए हुए भक्तों को चंदन तिलक लगाकर सभी भक्तों का अभिवादन किया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे बच्चे, बूढ़े, पुरुष, महिलाएं, नौजवान व धर्म प्रेमी लोगों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर नाचते, गाते, बजाते राधे नाम का जाप किया।

प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर हुडा सेक्टर में परिक्रमा करके प्रारंभ स्थल पर समाप्त हुई। इससे पूर्व घरों से बाहर निकलकर लोगों ने ठाकुर जी के दर्शन किए व दीपक जलाकर आरती पूजन किया। संगठन की ओर से अगले रविवार को मोहल्ला बावड़ीपुर स्थित शिव मंदिर के पास जसवंत जांगिड़ के निवास स्थान पर आयोजित होने वाली प्रभात फेरी की सूचना दी गई। अंत में राधे रानी, बांके बिहारी के जयकारों के साथ प्रभात फेरी का समापन करते हुए प्रसाद वितरित किया गया।

जिले में कुल 749607 मतदाताओं में से 662299 प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन पूरा

विशेष गहन पुनरीक्षण का एक दिन शेष: जनता जल्द जमा करे मतदाता गणना प्रपत्र

99.95 फीसदी गणना प्रपत्रों का वितरण पूरा

88.35 फीसदी डिजिटलाइजेशन काम पूरा

14 जुलाई प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य अब अंतिम चरण में है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जिले के सभी योग्य और छूटे हुए नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि इस विशेष अभियान के तहत मतदाता गणना प्रपत्र जमा करने के लिए अब सिर्फ एक दिन का समय शेष बचा है। आगामी 14 जुलाई प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय रहते प्रपत्र जमा होने से ही सभी पात्र व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा सकेंगे, जिससे कोई भी जागरूक नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

संबंधित मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सहायता ले सकते हैं

उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि यदि किसी भी नागरिक को अपने प्रपत्र को जमा करने या उसे अपडेट कराने में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है, तो वे तुरंत अपने क्षेत्र के संबंधित मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी से संपर्क कर सहायता ले सकते हैं। इसके अलावा निर्वाचन आयोग की ओर से जिला निर्वाचन कार्यालय में

विशेष हेल्पलाइन संख्या 01282-1950 भी जारी की गई

एक विशेष हेल्पलाइन संख्या 01282-1950 भी जारी की गई है, जिस पर कॉल करके किसी भी कार्य दिवस में जरूरी मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने वाले नागरिक निर्वाचन आयोग की आधिकारिक ऐप ईसीआईनेट अथवा पोर्टल पर जाकर भी सीधे अपने प्रपत्रों को जमा और अपडेट कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने जिले के सभी राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों से भी इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय योगदान देने की अपील की, ताकि एक पूर्ण रूप से शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार की जा सके।

पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया जा रहा : सुरेन्द्र सिंह

कार्य को पूरी गंभीरता व पारदर्शिता के साथ दिया जा रहा अंजाम

तहसीलदार इलेक्शन सुरेंद्र सिंह ने इस पुनरीक्षण अभियान की प्रगति के

अब तक कुल 749212 प्रपत्रों का वितरण सफलतापूर्वक संपन्न किया जा चुका है

बारे में बताया कि प्रशासनिक स्तर पर इस कार्य को पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला महेंद्रगढ़ के चारों विधानसभा क्षेत्रों अटेली, महेंद्रगढ़, नारनौल व नांगल चौधरी में कुल 772 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को तैनात किया गया था, जिन्हें शत-प्रतिशत प्रशिक्षण प्रदान कर मैदान में उतारा गया। जिले के कुल 749607 मतदाताओं से जुड़े इस अभियान के तहत बीएलओ द्वारा बेहतरीन कार्य करते हुए अब तक कुल 749212 प्रपत्रों का वितरण सफलतापूर्वक संपन्न किया जा चुका है, जो कि कुल लक्ष्य का 99.95 प्रतिशत है। प्रपत्रों को ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करने के काम की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 662299 प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन पूरा किया जा चुका है, जो कुल काम का 88.35 प्रतिशत है। विधानसभा वार स्थिति स्पष्ट करते हुए तहसीलदार इलेक्शन ने बताया कि 68-अटेली में 184860 प्रपत्र (89.36 प्रतिशत), 69-महेंद्रगढ़ में 193174 प्रपत्र (90.27 प्रतिशत), 70-नारनौल में 132653 प्रपत्र (82.92 प्रतिशत) तथा 71-नांगल चौधरी में 151612 प्रपत्रों (89.84 प्रतिशत) का डिजिटलाइजेशन कर दिया गया है। शेष बचे प्रपत्रों को भी पोर्टल पर चढ़ाने के लिए तकनीकी टीमें दिन-रात सक्रिय हैं, ताकि समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत कार्य को मुकम्मल किया जा सके।

डिजिटलाइजेशन में महेंद्रगढ़ जिला प्रदेश में तीसरे स्थान पर

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रपत्रों के डिजिटलाइजेशन कार्य में जिला महेंद्रगढ़ ने पूरे हरियाणा प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है। निर्वाचन विभाग की राज्य स्तरीय रिपोर्ट के अनुसार जिला महेंद्रगढ़ में कुल 749607 मतदाताओं में से अब तक 662299 प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जो कुल कार्य का 88.35 फीसदी है। प्रदेशभर के 22 जिलों की सूची में 91.67 फीसदी कार्य के साथ फतेहाबाद पहले व 88.43 फीसदी के साथ कैथल दूसरे स्थान पर है, जबकि महेंद्रगढ़ जिला इन दोनों के ठीक बाद राज्य में तीसरे पायदान पर मजबूती से बना हुआ है। जिले के 772 बूथ लेवल अधिकारियों की दिन-रात की मेहनत औव तकनीकी टीमों की सक्रियता के चलते जिला इस गौरवशाली स्थान पर पहुंचा है।

रेवाड़ी। हंस नगर में ब्लास्ट से क्षतिग्रस्त हुए मकान का जायजा लेते डा. वंदना पोपली। फोटो : हरिभूमि

हंस नगर ब्लास्ट में पीड़ित परिवार के घर पहुंची वंदना, शोक संवेदना की व्यक्त

■ 5 जुलाई को मकान में ब्लास्ट से पिता- पुत्री की हुई मौत, जिलाध्यक्ष से परिवार को हर संभव सहायता का दिया भरोसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हंस नगर कॉलोनी में 5 जुलाई को मकान में हुए ब्लास्ट में पिता-पुत्री की मौत के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने पीड़ित परिवार के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। परिवार को सरकार की ओर से हरसंभव मदद दिलाई जाएगी। मकान में ब्लास्ट के बाद युवती तन्नू और उसके पिता सतबीर की मौत हो गई थी। दोनों का अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव टांकड़ी में किया गया था। रविवार को भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने पीड़ित परिवार के घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ब्लास्ट के कारणों का पता लगाने के लिए एफएसएल की रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने आईजीए कंपनी के कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट में स्थिति साफ होने के बाद इस ब्लास्ट के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल भी उनके साथ मौजूद थे।

जिलाध्यक्ष ने मकान का लिया जायजा

डा. वंदना पोपली ने हंस नगर जाकर उस मकान का जायजा लिया, जिसमें रहस्मय तरीके से ब्लास्ट हुआ था। उन्होंने कहा कि पुलिस की जांच अभी चल रही है। एफएसएल की रिपोर्ट से तस्वीर साफ होगी। इसके बाद हादसे की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने हादसे में घायल होने के बाद अस्पताल में दाखिल बीएसएफ जवान जयभगवान और दो साल की मासूम बच्ची खुशी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पत्रकार सुरेश लावनिया की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

महेंद्रगढ़। वरिष्ठ पत्रकार एवं अनेक सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि रहे स्वर्गीय सुरेश लावनिया की पुण्य स्मृति में श्री रामलीला परिषद प्रांगण में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, पत्रकारिता एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया।इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय सुरेश लावनिया ने पत्रकारिता को सदैव निष्पक्षता, ईमानदारी और जनसेवा का माध्यम बनाया। उन्होंने समाजहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया तथा अनेक सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका सरल, मिलनसार एवं सेवाभावी व्यक्तित्व सदैव लोगों को प्रेरित करता रहेगा।श्रद्धांजलि सभा में सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक रामावतार शास्त्री, नरेश चेयरमैन, सुशील शर्मा, कैलाश पाली, मुकेश मेहता, सुरेश मक्कड़, रमेश कौशिक, पत्रकार संघ के प्रधान प्रदीप बालरोडिया, व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र बंटी तथा नवीन राव सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने शब्दों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वर्गीय सुरेश लावनिया ने पत्रकारिता को सदैव निष्पक्षता, ईमानदारी और जनसेवा का माध्यम बनाया। सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर अनेक संख्या में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विकास कार्यों का जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने किया लोकार्पण

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के ग्राम कलवाड़ी में जिला परिषद द्वारा कराए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने किया। इस दौरान गांव में निर्मित सड़कों एवं टीनशेड का विधिवत उद्घाटन किया गया। ग्राम पंचायत कलवाड़ी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच बाबूलाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए गांव की प्रमुख मांगों को उनके समक्ष रखा। उन्होंने बाबा समसखा देव मंदिर मार्ग के निर्माण की मांग उठाई एवं डॉ. राकेश कुमार द्वारा गांव में करवाए गए विकास कार्यों के लिए समस्त ग्रामवासियों की ओर से आभार जताया।

इस मौके पर पंचायत समिति चेयरमैन राजकुमार ने भी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए गांव की व्यायामशाला में नई पाइपलाइन बिछवाने तथा मैरिज प्लेस में टीनशेड निर्माण करवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर जरामदास मंदिर पाली के प्रधान, सुनील चेयरमैन, अजय यादव, बबलू ठेकेदार, धर्मवीर तुर्कीवास, ग्रीवेंस सदस्य सोनू दौंगड़ा, कुलदीप, पूर्व सरपंच अजीत, कंवर सिंह, प्रदीप ठेकेदार आदि गणमान्य ग्रामीण मौजूद रहे।

आईएमटी, शहर की बदहाल व्यवस्था को लेकर कांग्रेस आंदोलन तेज करेगी: सत्यवीर झूकिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया के नेतृत्व में रविवार को यादव धर्मशाला में कांग्रेस की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी आठ ब्लॉक अध्यक्षों, जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की जानकारी देते हुए जिला अध्यक्ष सत्यवीर झूकिया ने बताया कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए जल्द ही जिला उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, ब्लॉक अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी गांव-गांव, गली-गली, शहर और मोहल्लों में जाकर कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ने का अभियान चलाएंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में तीन प्रमुख मुद्दों पर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। पहला, महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव खुड़ाना में 24 फरवरी 2019 को तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा किए गए आईएमटी के शिलान्यास के बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं होने के विरोध में कांग्रेस सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करेगी। उनका आरोप है कि छह वर्ष बीत जाने के बाद भी परियोजना पर एक प्रतिशत भी कार्य नहीं हुआ।

दूसरा, बरसात के दौरान महेंद्रगढ़ शहर में जलभराव, टूटी सड़कों और खराब जल निकासी व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। झूकिया ने कहा कि शहर में जगह-जगह पानी भरने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा मच्छरों के बढ़ने से बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है।

महेंद्रगढ़। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक लेते जिला प्रधान सत्यवीर झूकिया।

ये रहे मौजूद

संगठन महासचिव एडवोकेट मंजीत यादव, जिला उपाध्यक्ष और अग्रणी संगठनों के इंचार्ज एडवोकेट कुलदीप भरगढ़, महिला जिलाध्यक्ष डॉ राजवती यादव, एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तोताराम कोहली, पंचायत राज के जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र पराशर, सभी ब्लॉक अध्यक्ष और जिला कार्यकारिणी के अधिकतर पदाधिकारी मौजूद रहे।

ग्यारह साल से कच्ची पड़ी है मातादीन अस्पताल वाली गली

नारनौल। महावीर चौक से बस स्टैंड रोड स्थित डॉ. मातादीन अस्पताल वाली गली शहर के बीचोंबीच होने के बावजूद पिछले करीब 11 वर्षों से कच्ची पड़ी है। गली का निर्माण नहीं होने से यहां हर समय धूल-मिट्टी उड़ती रहती है और गंदगी का अंबार लगा रहता है। हैरानी की बात यह है कि इस गली में आज तक सीवर लाइन भी नहीं डाली गई, जबकि यहां दो अस्पतालों के अलावा अनेक व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी संचालित हैं।

स्थानीय निवासी विराट सैनी, गोविंद सैनी, विकास कुमार, प्रदीप, दीपक सैनी और अनिल कुमार ने नगर परिषद एवं वार्ड नंबर-4 के पार्षद पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। विराट सैनी ने बताया कि मुख्य बस स्टैंड मार्ग से अंदर तक यह गली महज 125 फुट लंबी है, लेकिन वर्षों से इसका निर्माण नहीं कराया जा रहा। गली को पक्का करवाने के लिए वे सीएम विंडो तक शिकायत कर चुके हैं। इसके अलावा गत 23 मार्च को उन्होंने विधायक ओमप्रकाश यादव को भी ज्ञापन दिया था, जिस पर विधायक ने संबंधित नगर परिषद अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया था।

हौसलों की उड़ान: शारीरिक चुनौतियों को मात देकर नीतीश कुमार बने आईएएस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कहा जाता है कि यदि मन में कुछ कर गुजरने का दृढ़ संकल्प हो, तो बड़ी से बड़ी कठिनाई भी रास्ता छोड़ देती है। जिले के खटोटी कलां गांव के रहने वाले नीतीश कुमार ने इस कहावत को सच साबित कर दिखाया है। शारीरिक चुनौतियों और गंभीर बीमारी से संघर्ष करते हुए उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 847 प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नीतीश कुमार की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो छोटी-छोटी कठिनाइयों के कारण अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं। कम कद और गंभीर बीमारी के चलते वे किशोरावस्था तक नियमित रूप से स्कूल भी नहीं जा सके। ऐसे कठिन समय में उनकी माता केला देवी ने उनका हौसला कभी टूटने नहीं दिया। वे उन्हें अपनी पीठ पर बैठाकर स्कूल ले जाया करती थी। वर्षों के संघर्ष और लगातार पांचवें प्रयास में मिली इस सफलता ने साबित कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति, कठिन परिश्रम और आत्मविश्वास के आगे कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

वारदात | छह किसानों को बनाया निशाना, पहले भी हो चुकी हैं ऐसी वारदातें, पुलिस से रात में गश्त बढ़ाने की मांग

एक ही रात में कई किसानों के ट्यूबवेलों से थ्री-फेज केबल चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव सिलारपुर में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में कई किसानों के ट्यूबवेलों को निशाना बनाते हुए हजारों मीटर थ्री-फेज बिजली की केबल चोरी कर ली। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से किसानों में दहशत और रोष है। पीड़ित किसानों की शिकायत पर अटेली थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव सिलारपुर निवासी दिनेश उर्फ बबलू ने बताया कि वह गांव के न्यू हिन्दू हाई स्कूल की बस चलाता है। शनिवार सुबह उसे जानकारी मिली कि रात के दौरान गांव के कई किसानों के ट्यूबवेलों से मोटरों की थ्री-फेज केबल चोरी हो गई है। सूचना मिलने पर जब वह बस स्टैंड के पास स्थित अपने ट्यूबवेल पर पहुंचा तो वहां भी मोटर की केबल कटी हुई और गायब मिली। इसके बाद उन्होंने अन्य किसानों से संपर्क किया तो पता चला कि शक्ति, सुनील कुमार, प्रदीप सिंह, कृष्ण और रामकिशन के ट्यूबवेलों से भी चोर थ्री-फेज केबल चोरी कर ले गए हैं। शिकायत के अनुसार चोरों ने गांव के अन्य ट्यूबवेलों को भी निशाना बनाने का प्रयास किया, लेकिन किसी कारणवश वे वहां चोरी करने में सफल नहीं हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई बार ट्यूबवेलों से बिजली की केबल और नोजल चोरी हो चुके हैं। लगातार हो रही वारदातों के कारण किसानों में असुरक्षा का माहौल है और उन्हें अपनी कृषि सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की चिंता सता रही है। घटना की सूचना मिलने पर डायल-112 पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पीड़ित किसानों ने पुलिस प्रशासन से चोरी गई केबलों की बरामदगी, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही गांव और आसपास के खेतों में रात के समय नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की भी मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

वारदातों के कारण किसानों में असुरक्षा का माहौल

कृषि सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की चिंता सता रही

संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज, साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

अटेली थाना पुलिस के अनुसार शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच एएसआई जसबीर सिंह को सौंपी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मानसून के सीजन में जलभराव से संक्रामक समस्या

जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप, बच्चों व बुजुर्गों की बढ़ी परेशानी

बरसात के सीजन में संक्रमण का खतरा इस मौसम में सावधानी बरतना जरूरी

जलभराव की स्थिति में फैलती हैं संक्रामक बीमारियां, डेंगू और मलेरिया के मरीजों की बढ़ जाती है संख्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मानसून के सीजन में जगह-जगह जलभराव की समस्या संक्रामक रोगों को बढ़ावा देने का काम करती है। इस सीजन में लोग अगर सावधानी बरतें, तो इन बीमारियों से बचा जा सकता है। जलभराव, दूषित पानी, मच्छरों की बढ़ती संख्या और नमी के कारण डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, टाइफाइड, हैजा, वायरल बुखार और त्वचा संबंधी संक्रमण तेजी से फैलते हैं। शहर से लेकर गांवों तक में बार-बार बारिश से जलभराव की स्थिति बनती है। जलभराव के चलते मच्छरों का प्रकोप शुरू हो जाता है, जिससे सबसे अधिक खतरा डेंगू फैलने का बना रहता है। जलभराव के चलते दूषित पानी लीक पाइप लाइनों के जरिए लोगों के घरों तक पहुंच जाता है। दूषित पानी पीने से डायरिया व पीलिया रोगों का खतरा बढ़ जाता है। अक्सर बारिश के सीजन में संक्रामक रोगों के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है।

रेवाड़ी। नागरिक अस्पताल में ओपीडी स्लिप बनावाने के लिए लगी लोगों की भीड़ तथा बावल रोड पर जमा बरसात का पानी। फोटो : हरिभूमि

संक्रामक रोगों से ऐसे करेंगे बचाव

- केवल साफ और उबला या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं।
- खुले में बिकने वाले कटे फल और दूषित भोजन से बचें।
- घर के आसपास पानी जमा नहीं होने दें।
- मच्छरदानी, फुल बाजू के कपड़े और मच्छररोधी क्रीम का इस्तेमाल करें।
- हाथों को साबुन से बार-बार धोएं।
- बुखार, उल्टी, दस्त या तेज शरीर दर्द होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

बीमारियों के लक्षण और बचाव

डेंगू
लक्षण: तेज बुखार, सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, शरीर व जोड़ों में तेज दर्द, त्वचा पर लाल चकत्ते।
उपचार: पर्याप्त आराम, तरल पदार्थों का सेवन, डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवा और प्लेटलेट्स की नियमित जांच।

मलेरिया
लक्षण: ठंड लगकर बुखार आना, पसीना आना, कमजोरी, सिरदर्द और उल्टी।
उपचार: जांच के बाद चिकित्सक द्वारा निर्धारित एंटी-मलेरियल दवाएं और पर्याप्त आराम।

वायरल बुखार
लक्षण: बुखार, गले में खराश, खांसी, सिरदर्द और बदन दर्द।
उपचार: आराम, पर्याप्त तरल पदार्थ और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं।

चिकनगुनिया
लक्षण: तेज बुखार, जोड़ों में असहनीय दर्द, शरीर दर्द और कमजोरी।
उपचार: दर्द और बुखार की दवा, पर्याप्त पानी और आराम। अधिकांश मरीज कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं।

टाइफाइड
लक्षण: लगातार बुखार, पेट दर्द, भूख कम लगना, कमजोरी और दस्त या कब्ज।
उपचार: चिकित्सकीय जांच के बाद एंटीबायोटिक दवाएं तथा साफ और पौष्टिक भोजन।

हैजा और दस्त
लक्षण: बार-बार पतले दस्त, उल्टी, शरीर में पानी की कमी और कमजोरी।
उपचार: ओआरएस का घोल, पर्याप्त पानी और जरूरत पड़ने पर अस्पताल में इलाज।

त्वचा संक्रमण
लक्षण: खुजली, लाल चकत्ते, फंगल संक्रमण और एलर्जी।
उपचार: त्वचा को साफ और सूखा रखें तथा डॉक्टर की सलाह से एंटीफंगल या अन्य दवाओं का उपयोग करें।

साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान

संक्रामक रोगों को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है। लोगों को भी इन बीमारियों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। लगातार बुखार, तेज कमजोरी, सांस लेने में तकलीफ या डेंगू-मलेरिया जैसे लक्षण दिखाई दें तो बिना देर किए नजदीकी सरकारी या निजी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

-डा. नरेंद्र दहिया, सीएमओ।

आईजीयू में जिला स्तरीय नशा मुक्ति जागरूकता मैराथन आज

- युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मीरपुर

युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी कल्याण विभाग एवं यूथ रेडक्रॉस की ओर से तथा जिला एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से 13 जुलाई को सुबह 7 बजे विश्वविद्यालय परिसर में जिला स्तरीय 5 किलोमीटर 'ड्रग एब्यूज अवेयरनेस मैराथन' का आयोजन किया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह ने बताया कि कुलपति प्रो. असीम मिगलानी एवं कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह के मार्गदर्शन में मैराथन आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक जन-जागरूकता फैलाना है। उन्होंने बताया कि 17 से 25 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी युवा इस मैराथन में भाग ले सकता है व इसका पंजीकरण निःशुल्क है।

जिला एड्स नियंत्रण समिति से मेडिकल ऑफिसर डा. आशीष ने बताया कि हरियाणा सरकार की पहल पर प्रदेश के सभी जिलों में नशा मुक्ति जागरूकता के उद्देश्य से इस प्रकार की मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएमओ डा. नरेंद्र दहिया एवं उप सिविल सर्जन डा. संदीप यादव के निर्देशन में मैराथन का आयोजन किया जाएगा। आयोजन टीम में मेडिकल ऑफिसर डा. खुशबू यादव भी सहयोग करेगी। विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक छात्र कल्याण प्रो. अदिति शर्मा, सहायक निदेशक छात्र कल्याण डा. सुशांत यादव व वाईआरसी प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. समृद्धि आयोजन की समस्त व्यवस्थाओं एवं समन्वय की जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

मैराथन में पुरुष एवं महिला वर्ग के लिए अलग-अलग पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। प्रथम पुरस्कार 2,500, द्वितीय 1500, तृतीय 1000, चतुर्थ 500 तथा पांचवे पुरस्कार के रूप में 500 रुपये प्रदान किए जाएंगे। जिला स्तर के शीर्ष छह विजेता (तीन पुरुष एवं तीन महिला) जिले का प्रतिनिधित्व राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे।

श्मशान घाट में चला अभियान, 151 पौधे रोपित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ हरिहर श्मशान घाट कोसली में एक व्यक्ति-एक पेड़ अभियान के अंतर्गत 151 पौधे रापित किए गए। अभियान में ग्रामीणों, युवाओं, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में सरपंच रामकिशन जांगड़ा, लखन मास्टर, अजय, दयावान, युद्धवीर, प्रकाश, नरेंद्र पीटीआई, अजय, ओम प्रकाश, अशोक पंच, दयाराम, लाल सिंह, सुदर्शन सरपंच, महेंद्र, पैनल एडवोकेट बिनाका, अमन सेठ, रमन, कृष्ण पंच, ओम प्रकाश, अनिल पंच, संजय पंच, महेश लखेरा, नीरज, मोनू, सुमित पटवारी, आदित्य राव, जितेंद्र कुमार, बिरेन्द्र, दीपांशु, देवेश, प्रिंस, कुलदीप, सतपाल नम्बरदार, प्रो. सुनील कुमार, रमेश कुमार, सुक्रमपाल, आचार्य अमन, धरमु जेई, अधिवक्ता रिंकू, कमल भगत, रविन्द्र कुमार, मलखान शर्मा, भूपेश, जेपी, अशोक मास्टर व नरेश कुमार सहित युवा क्लब कोसली टीम, शक्ति कोसलिया एवं गोरक्षा दल तथा नाहड़ ब्लॉक से अनेक ग्रामीणों ने सहयोग दिया।

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए आवेदन 31 तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गृह मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस-2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामतः पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं, जो कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक कार्य, लोक सेवा, उद्योग तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं। भारत सरकार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करना है जिन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र की सेवा की हो। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से पद्म पुरस्कार के लिए योग्य एवं विशिष्ट व्यक्तियों के नाम प्रस्तावित करने का आह्वान किया है। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं। डीसी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और नागरिक स्वयं भी योग्य व्यक्तियों के नाम पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। विशेष रूप से जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले समाजसेवी, शिक्षक, कलाकार, वैज्ञानिक, किसान, हस्तशिल्प, नवप्रवर्तक, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

जानकारी | साइबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और सतर्कता

साइबर अपराधियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और सतर्कता: एसपी

- परिवार, मित्रों और परिचितों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें ताकि अधिक से अधिक लोग ठगी से बच सके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी लोगों को नए-नए तरीकों से अपना शिकार बना रहे हैं। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कहा कि थोड़ी सी सावधानी अपनाकर साइबर ठगी से बचा जा सकता है। एसपी ने कहा कि साइबर अपराधियों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता और सतर्कता है। नागरिक किसी भी प्रकार के लालच, डर या जल्दबाजी में कोई वित्तीय लेन-देन न करें। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अपने परिवार, मित्रों और परिचितों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें ताकि अधिक से अधिक लोग ठगी से बच सकें।

यूपीआई पिन या पासवर्ड साझा न करें
लालच में बिना जांच-पड़ताल के निवेश न करें
राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें

साइबर ठगी से बचने के लिए सावधानियां

किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाता नंबर, एटीएम पिन, सीवीवी, यूपीआई पिन या पासवर्ड साझा न करें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और मोबाइल में अज्ञात ऐप डाउनलोड न करें। केवाईसी अपडेट, बिजली बिल, गैस कनेक्शन, बैंक खाता बंद होने, नौकरी, लोन, इनाम या सरकारी योजना के नाम पर आने वाले कॉल और संदेशों से सतर्क रहें। सोशल मीडिया पर किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने से पहले उसकी पहचान अवश्य जांच लें। ऑनलाइन खरीदारी या सामान बेचते समय क्यू आर कोड स्कैन करके कभी भी पैसे प्राप्त नहीं होते। पैसे लेने के लिए यूपीआई पिन दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती। किसी भी निवेश या ट्रेडिंग एप में अधिक मुनाफे के लालच में बिना जांच-पड़ताल के निवेश न करें। वीडियो कॉल या सोशल मीडिया पर अजनबियों के साथ आपत्तिजनक बातचीत या सामग्री साझा करने से बचें। इससे सेक्सटॉर्शन जैसी घटनाएं हो सकती हैं। अपने सभी महत्वपूर्ण ऑनलाइन खातों में मजबूत पासवर्ड रखें और जहाँ संभव हो टू-फैक्टर आथंटिकेशन का उपयोग करें। बैंक खाते और यूपीआई से जुड़े मोबाइल नंबर को हमेशा अपडेट रखें तथा समय-समय पर अपने बैंक खाते की गतिविधियों की जांच करते रहें।

साइबर ठगी का शिकार हो जाएं तो ये करें

साइबर ठगी के शिकार होने पर घबराएं नहीं, तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें। तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। अपने बैंक को तुरंत सूचित कर संबंधित खाते या लेन-देन को ब्लॉक कराने का प्रयास करें। नजदीकी थाना या साइबर पुलिस थाना से तुरंत संपर्क करें।

-हेमेंद्र कुमार मीणा, एसपी

न्यूज डायरी

मंदिर के संकीर्तन में बही भक्ति की धारा

रेवाड़ी। शहर के सोलहराही धाम सेक्टर-1 स्थित में प्रेम मंदिर में राधा-कृष्ण की प्रतिमा के द्वितीय स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार रात्रि संकीर्तन का आयोजन किया गया। शिवचरण शर्मा ने ज्योत प्रज्जवलित करके संकीर्तन का शुभारंभ किया। संकीर्तन में वृंदावन धाम से गायक कलाकार मुकुल द्विवेदी अपने अनेक मधुर भजनों से सभी को मंत्रमुग्ध किया। मनमोहक भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक थिरकते नजर आए। रविवार को मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में अरुण शर्मा, कृष्ण कुमार, पंडित हरिश्चंद्र, पंडित जितेंद्र पांडे, समाजसेवी हेमंत कुमार, शकुंतला देवी, मीनू शर्मा व सरिता शर्मा सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद थे।

जेएनवी में प्रवेश के लिए 31 तक आवेदन

रेवाड़ी। नवोदय विद्यालय समिति की ओर से कक्षा छह में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना के प्राचार्य सुरेंद्र कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी 31 जुलाई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जवाहर नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट नवोदया.जीओवी.इन के माध्यम से किए जा सकते हैं। प्राचार्य ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए वही विद्यार्थी पात्र होंगे, जो शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान मान्यता प्राप्त सरकारी अथवा गैर-सरकारी विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत हैं। साथ ही अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 मई 2015 से 31 जुलाई 2017 के बीच होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 28 नवंबर को जिले के निर्धारित केंद्रों पर आयोजित की जाएगी।

भारत-अमेरिका के बीच होने जा रही ट्रेड डील किसानों के लिए डेथ वारंट: समय सिंह

रेवाड़ी। रविवार को भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी की मीटिंग गांव संगवाड़ी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अशोक नंबरदार ने की। इस मौके पर यूनियन के प्रधान समय सिंह ने कहा कि भारत-अमेरिका के बीच होने जा रही ट्रेड डील किसानों के लिए डेथ वारंट है। अगर यह समझौता हो गया तो हिंदुस्तान के सभी किसान-मजदूर व व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे। क्योंकि अमेरिका से जो भी सामान आएगा, वह बिना टैक्स के आएगा और भारत से जाने वाले सामान पर टैक्स लगेगा। इसका सीधा असर डेरी और पशुपालन पर पड़ेगा। इस मौके पर रवि बाबू ने बताया कि ट्रेड डील के विरोध में 15 जुलाई को मोटरसाइकिल मार्च निकाला जाएगा। 21 जुलाई को दिल्ली में किसान घाट पर महापंचायत भी होने जा रही है। इस मौके पर महिला जिला उप प्रधान मनीषा यादव, राजकुमार एससी सेल, एक्स सर्विसमेन रोशनलाल, मोनिका यादव, रवि प्रकाश, जयचंद, निहाल सिंह नंबरदार, प्रकाश, जगमाल, करण सिंह, प्रमोद व गोविंद जांगिड़ सहित अनेक किसान नेता मौजूद थे।

रवि प्रदोष व्रत जीवन में सुख, समृद्धि और अच्छी सेहत लेकर आता: शास्त्री

रेवाड़ी। रविवार को श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को समर्पित मासिक शिवरात्रि और रवि प्रदोष का व्रत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया। रविवार को अत्यंत दुर्लभ और पवित्र संयोग बन रहा था, जब मासिक शिवरात्रि और रवि प्रदोष व्रत दोनों एक ही दिन थे। रविवार के दिन प्रदोष व्रत होने के कारण इसे रवि प्रदोष कहा जाता है, जो जीवन में सुख, समृद्धि और अच्छी सेहत लेकर आता है। ज्योतिषाचार्य दलीप शास्त्री का कहना है कि मासिक शिवरात्रि और रवि प्रदोष का एक ही दिन आना आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत बड़ा योग है। जहां एक ओर प्रदोष व्रत भगवान शिव के आशीर्वाद से भक्तों के सभी कष्टों को दूर करता है, वहीं रवि प्रदोष होने के कारण इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से सूर्य देव की कृपा भी प्राप्त होती है। इससे जातकों को मान-सम्मान, यश और आरोग्य का वरदान मिलता है। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को बेलपत्र, धतूरा, गंगाजल, दूध और अक्षत अर्पित किए तथा शाम के समय भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त पूजा-आरती की। शास्त्री का कहना है कि जो भी इस दिन सच्चे मन से उपवास रखकर भगवान भोलेनाथ की आराधना करता है। उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है और जीवन के सभी संकट टल जाते है।

स्वास्थ्य कैंप में 115 मरीजों की हुई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में 115 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. एस पी यादव ने मेडिसन, डा. पार्थ यादव ने हड्डी रोग, डा. प्रद्युम्न यादव ने सर्जरी, डा. प्रीती यादव ने नेत्र रोग, डा. सुमन यादव ने स्त्री रोग व डा. अनिल यादव ने दंत रोग के रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया। इनके अलावा कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव, जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, गोकल राम, रामसिंह, विजय पाल, प्रो. सतीश यादव, सुशांत, अशोक, राजेश यादव व पवन ने सहयोग दिया।

18 को लगेगी विशेष लोक अदालत

रेवाड़ी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 18 जुलाई को जिला कोर्ट परिसर स्थित बावल व कोसली न्यायिक परिसर में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (सेक्शन 138 एनआई एक्ट) केसों से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. रेनू सोलखे ने कहा कि स्पेशल लोक अदालत का उद्देश्य लंबित चेक बाउंस से जुड़े मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर अंतिम समाधान करना है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के अपने विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कर सकते हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत होती है तथा अदालतों पर मामलों का बोझ भी कम होता है।

कोर्ट से घोषित पीओ गिरफ्तार कर जेल भेजा

रेवाड़ी। पुलिस के पीओ स्टाफ ने कोर्ट से घोषित किए गए एक पीओ को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ मॉडल टाउन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया था। महेंद्र के बोचड़िया निवासी राकेश के खिलाफ कोर्ट में चेक बाउंस का मामला चल रहा है। वह कोर्ट में तारीख पर नहीं आ रहा था। बार-बार नोटिस दिए जाने के बाद भी वह कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ, तो उसे कोर्ट ने पीओ घोषित कर दिया था। उसके खिलाफ केस दर्ज करने के आदेश दिए गए थे। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ अवमानना का केस दर्ज किया था। पुलिस के पीओ स्टाफ ने आरोपी राकेश को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।